DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE

Dr. Radha Kumari

2018 - 19

Article: Shanti ka Antarashtriya sandarbh – Published in ज्ञान गरिमा संधु. ISSN 2321--0443

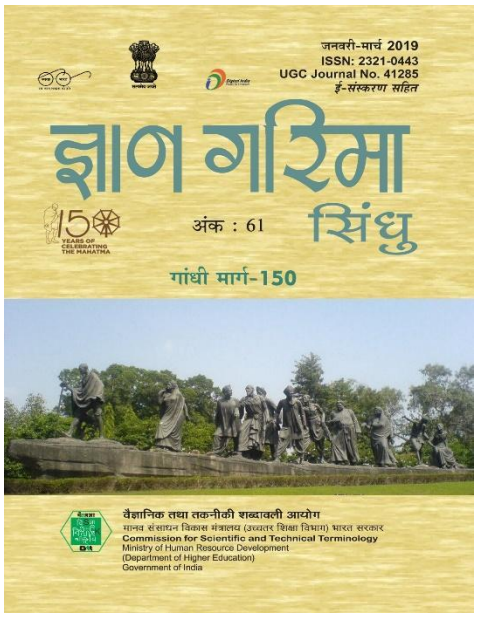

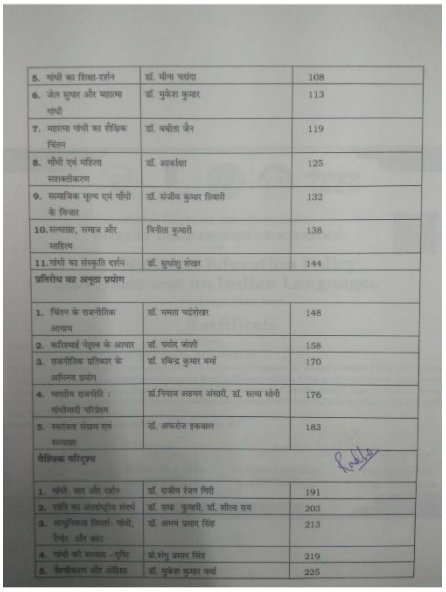

5. गांधी का शिक्षा-दर्शन	डॉ. मीना चरांदा	108
6. जेल सुधार और महात्मा गांधी	डॉ. मुकेश कुमार	113
7. महात्मा गांधी का शैक्षिक चिंतन	डॉ. बबीता जैन	119
8. गांधी एवं महिला सशक्तीकरण	डॉ. आकांक्षा	125
9. सामाजिक मूल्य एवं गांधी के विचार	डॉ. संजीव कुमार तिवारी	132
10. सत्याग्रह, समाज और साहित्य	विनीता कुमारी	138
11. गांधी का संस्कृति दर्शन	डॉ. सुधांशु शेखर	144
प्रतिरोध का अनूठा प्रयोग		
1. चिंतन के राजनीतिक आयाम	डॉ. ममता चंद्रशेखर	148
2. करिश्माई नेतृत्व के आधार	डॉ. पयोद जोशी	158
3. राजनीतिक प्रतिकार के अभिनव प्रयोग	डॉ. रविन्द्र कुमार वर्मा	170
4. भारतीय राजनीति : गांधीवादी परिप्रेक्ष्य	डॉ. नियाज अहमद अंसारी, डॉ. सत्या सोनी	176
5. स्वतंत्रता संग्राम एवं सत्याग्रह	डॉ. अफरोज इकबाल	183
वैश्विक परिदृश्य		
1. गांधी: सार और दर्शन	डॉ. राजीव रंजन गिरि	191
2. शांति का अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ	डॉ. राधा कुमारी, डॉ. शीला राय	203
3. आधुनिकता विमर्श: गांधी, टैगोर और कांट	डॉ. अभय प्रसाद सिंह	213
4. गांधी की सभ्यता-दृष्टि	प्रो. शंभु प्रसाद सिंह	219
5. वैश्वीकरण और अहिंसा	डॉ. मुकेश कुमार वर्मा	225

Scanned with CamScanner

शांति का अंतरराष्ट्रीय संदर्भ

डॉ. राधा कुमारी[34]
डॉ. शीला राय[35]

आज जहाँ प्रत्येक राष्ट्र आन्तरिक संकटों से पीड़ित है, वहाँ अंतरराष्ट्रीय संकट उनसे भी भयानक रुप में वर्तमान विश्व के समक्ष हैं। प्रत्येक राष्ट्र शांति, व्यवस्था और लोककल्याण के नाम पर अपना स्वार्थ साधने में तत्पर है। वह समझता है कि जिस मार्ग का वह अनुसरण कर रहा है, वही विश्व के लिए सबसे अधिक हितकर मार्ग है। अपरिमित शक्ति को पाकर मानव की पाशविक वृतियाँ जाग उठी हैं और वह लोभ-भोग और पशुता की दुष्प्रवृतियों का शिकार बन गया है। उसका उपयोग अभ्युदय और विनाश दोनों के लिए समान रुप से संभव है। फ्रॉयड के शब्दों में यह कहा जा सकता है कि मनुष्य ने प्रकृति को वशीभूत करके अपनी शक्ति को उस बिन्दु पर पहुँचा दिया है, जब उसका उपयोग करके वह अपनी ही जाति के अंतिम प्राणों तक को मिटा देने में समर्थ हो सकता है। इस आशंका से आतंकित होकर आज का युग शांति की पुकार मचाने लगा है। यदि गम्भीरता से विचार करें तो स्पष्ट हो जायेगा कि विज्ञान की उन्नति भी इस बात के लिए प्रेरित कर रही है कि आज की विश्वव्यापी समस्याओं का समाधान अवश्य ढूँढा जाय।

गांधी ने अंतरराष्ट्रीय सन्दर्भों की विशिष्टता लक्षित कर शांति संस्थापन के प्रयासों की नई सूत्रबद्ध रुपरेखा प्रस्तुत नहीं की। तथ्य यह है कि भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद अत्यन्त अल्पकाल तक जीवित रहने के कारण विभिन्न देशों के मध्य तनाव उपस्थित होने पर वे अपने विचारों को किस तरह क्रियान्वित करते तथा कहाँ तक सफलता अर्जित कर पाते, यह देख पाने का विश्व को मौका नहीं मिला। किन्तु यह स्थिति शांति के संदर्भ में गांधी के व्यवस्थित दृष्टिकोण के विश्लेषण की सम्भावना का निषेध नही करती। गांधी का समस्त जीवन मानव की अनेकानेक समस्याओं के समाधान से सम्बन्धित रहा। गांधी अनेक जगह कहते हैं कि मेरा जीवन ही मेरा संदेश है। अतः अंतरराष्ट्रीय शांति के गांधीय प्रतिमान के निरुपण के प्रयास में गांधी की विश्वजनीन दृष्टि की समीक्षा समीचीन लगती है। गांधी ने अपने जीवन काल के दौरान विश्व में युद्ध, अणुबम आदि के बारे में अनेक साक्षात्कारों के दौरान विचार व्यक्त किये, साथ ही राष्ट्रीय समस्याओं व अंतरराष्ट्रीय समस्याओं के समाधान के प्रति उनके दृष्टिकोण में साम्य पाया जाता है। गांधी के शांति प्रतिमान की रुपरेखा निर्मित करने में गांधी की शांति की अवधारणा सहायक सिद्ध होती है। अन्य शांतिवादियों की भाँति गांधी युद्ध के अभाव मात्र को शांति नहीं मानते। गांधी के लिए शांति एक सकारात्मक अवस्था है जिसमें युद्ध के अभाव के साथ प्रत्येक व्यक्ति को राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक समता और न्याय का सम्मानजनक स्तर प्राप्त हो

---

[34] सहायक प्रोफेसर, माता सुंदरी कॉलेज, दिल्ली
[35] प्रचार्या, सेण्ट जेवियर्स महाविद्यालय, जयपुर

© भारत सरकार
प्रकाशन नियंत्रक

अंक 61 सी.सी.एस.टी.टी. 2 (जनवरी-मार्च) वर्ष 2019 (1-3)

Mobile App of Administrative Terms Glossary is now available in Google Play Store.

Step-1: Search CSTT • Step-2: Download • Step-3: Open to use

वैतश आयोग द्वारा प्रकाशित शब्दावलियाँ, परिभाषा-कोश मोबाईल ऐप तथा ई-पुस्तक के रूप में उपलब्ध हैं।

प्रोफेसर अवनीश कुमार
अध्यक्ष

Glossaries and Definitional Dictionaries published by CSTT are available in mobile apps and e-books format.

Professor Avanish Kumar
Chairman

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग)
पश्चिमी खंड-7, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली - 110066.
Commission for Scientific and Technical Terminology
Ministry of Human Resource Development
(Department of Higher Education)
West Block-7, R.K. Puram, New Delhi - 110066.
☎ 011-26105211 • Website: www.cstt.mhrd.gov.in
www.csttpublication.mhrd.gov.in
Mobile App: "CSTT Publication"

मुद्रण निदेशालय द्वारा, भारत सरकार मुद्रणालय में मुद्रित एवं
प्रकाशन नियंत्रक, सिविललाइन्स, दिल्ली-110054 द्वारा प्रकाशित, 2018